बाढ़ में फंसे युवकों को बचाने में जुटा डीएम , खर्राटे भरते रहे हरामखोर पत्रकार

Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 15 August 2017 01:26

: सलाम का हकदार बहराइच का डीएम , पत्रकारों की खाल खींचूंगा : मिहींपुरवा इलाके में उफनाये जरई नाले में फंसे दो युवकों के लिए जागते रहे डीएम अजयदीप , मगर एक भी पत्रकार का फोन नहीं उठा : बरसों बाद मेकअप -गर्ल और मवाली डीएम से मुक्त हो पाया है भरों की राजधानी यानी बहराइच :

कुमार सौवीर

लखनऊ : बहराइच शहर से करीब 55 किलोमीटर दूर है मिहींपुरवा नगर। और यहां से चंद मील दूर है जरई नाला। रविवार को यहां शारदा यानी घाघरा नदी अचानक उफनाने लगी। हाहाकार मचाती यह नदी अपनी सारी मर्यादाएं हमेशा की तरह ही तोड़ती और तहस-नहस करते हुए आसपास के इलाके को लीलने में आमादा दिख रही थी। वक्त रहा था रात करीब बारह बजे। बाढ़ की रफ्तार से भयभीत लोग अपने आशियाने को छोड़ कर प्रभावित क्षेत्र से जल्दी से जल्दी बाहर निकलने की कोशिश में थे। कि अचानक मोटरसायकिल पर सवार दो युवक इस बाढ़ में फंस गये। न वापस जा सकते थे, और न ही आगे बढ़ जा पा रहे थे। सबसे बड़ी दिक्कत की बात तो यह थी कि अगर यह लोग वहीं पर रूक जाते, तो इस बात की पूरी आशंका थी कि बाढ़ का प्रवाह उन्हें भी हमेशा-हमेशा के लिए अपने काल के गाल में समेट कर खत्म कर देता।

पत्रकारिता से जुड़ी खबरों को देखने के लिए निम्न लिंक पर क्लिक कीजिए :-

पत्रकार पत्रकारिता

लेकिन अचानक इसी बीच जिला प्रशासन को खबर मिली कि इस विनाशकारी बाढ़ में दो युवक फंस गये हैं। खबर पाते ही जिला प्रशासन तत्काल सक्रिय हुआ और बाढ़ में फंसे इन युवकों को बचाने के लिए मोटरबोट, गोताखोर, और बाढ़ से निपटने में माहिर विशेषज्ञों की टोली मौके पर रवाना कर दी। जिला प्रशासन तब तक सक्रिय रहा, जब तक उन दोनों बाढ़ पीड़ितों को सुरक्षित बाहर निकलने की खबर न पहुंच गयी।

यह तो किस्सा है जिला प्रशासन की सतर्कता की। लेकिन खबर के धंधे में जुटे लोगों के शर्मनाक खर्राटों ने पूरी पत्रकारिता को कलंकित कर दिया। इस मामले में जिलाधिकारी ने जिस तरह मेरे जैसे अनजान शख्स के मोबाइल से आये फोन को महज दो घंटी पर ही रिस्पांस कर दिया, और खबर पाते ही मामले को आम आदमी की पीड़ा के बजाय खुद अपने परिवार की समस्या के तौर पर देखा और निपटाया, वह तो वाकई लाजवाब है। लेकिन जिस तरह पूरे बहराइच के पत्रकारों ने अपनी संवेदनहीनता का प्रदर्शन इस रात किया, वह उनकी गैरजिम्मेदार-पूर्ण दलालीग्रस्त और हत्यारी पत्रकारिता का बेहद घिनौनी तस्वीर ही है।

1 / 3

Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 15 August 2017 01:26

□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□:-

□□□□ □□ □□□□□□

दरअसल, रविवार की रात मेरे □कमित्र देर रात फोन पर मुझसे बात कर रहे थे□ गोरखपुर के□कबड़े गैर-सरकारी संगठन केमुखिया और मूलत: चिकित्□सकडॉक्□टर भानु को मेरी बातचीत केबीच ही खबर मिली कि बहराइच केजरई नाले केपास दो युवकबुरी तरह पानी में फंस चुकेहैं□ उन्□होंने बताया कि अगर कोई ठोस मदद नहीं पहुंची तो वह दोनों ही प्रलयंकारी बाढ़ में जिन्□दा बह जा□ंगे□ डॉक्□टर भानु ने मुझे उन लोगों केफोन नम्□बर भी दिये□ मैंने तत्□काल बहराइच केजिलाधिकिरी अजय दीप सिंह को फोन किया□ हैरत की बात है कि केवल दो घंटी में ही उस डी□म का फोन उठ गया□ मैंने अपना परिचय देते हु□ पूरे मामले की गम्□भीरता का जिक्□र कर दिया□ अजय दीप ने तत्□काल मेरे फोन को होल्□ड करते हु□ पुलिस और स्□थानीय प्रशासन को तत्□काल कार्रवाई करने का आदेश दिया□

लेकिन इस पूरे घटना केबारे में मैंने जब बहराइच केपत्रकारों को सतर्ककरने की कोशिश की, तो आप जानते हैं कि मुझे क्□या नतीजा मिला□ ठेंगे□ करीब सात सौ पत्रकारों की बाढ़ नुमा भीड़ में से जिस भी पत्रकार से मैंने फोन पर सम्□पर्ककरने की कोशिश की, उसका फोन या तो स्विच-ऑफ रहा, अथवा उनकी घंटी तो बजती रही, लेकिन उठी नहीं□ हैरत की बात है कि ऐसा कौन सा धंधा करते हैं बहराइच केपत्रकार, जो रात को घोड़े बेच कर सो जाते हैं, और फिर चाहे पहाड़ टूटे या फिर जमीन फट जा□, उनकी नींद ही नहीं उठती□

बहरहाल, अब आपको दो जानकारियां दे दूं□ पहली बार तो यह, कि बाढ़ में फंसे दोनों युवकों की जान बच गयी□ प्रशासन की कार्रवाई और मौकेपर मदद पहुंचने तकही स्□थानीय ग्रामीणों ने उनकी जान बचा ली□ और दूसरी बात बात यह कि उसकेबाद लगातार 24 घंटों तकमैं यही खोजता रहा हूं कि बहराइच केपत्रकार किस-किस धंधे में शामिल हैं□ कोई ठीकेदारी में है, कोई अपने बजाय दूसरे से खबर लिखिवाता या रिकार्ड कराता है, कोई अधिशासी अभियंता की पिटाई में लिप्□त में है तो कोई धमकी देकर इंजीनियर, सरकार और नेताओं से उगाही करने-कराने का धंधा कर रहा है□

तो अब यह मेरी ही जिम्मेदारी है कि मैं ऐसे पत्रकारनुमा धंधे बाजों पर सख्□त कार्रवाई करूं□ विश्□वास दिलाता हूं कि जल्□दी ही इस बारे में बाकायदा सीरीज प्रकाशित करूंगा□

यह भी लिखूंगा कि कौन-कौन ऐसे पत्रकार कुल-कलंक हैं, जो खबर केबजाय बाकी धंधों में हाथ चमका रहे हैं□ और रोज-ब-रोज बड़ी गाड़ियों में घूम कर बड़े अफसरों केसाथ सेल्□फी खिचवाने और फेसबुकपर लगा कर अपनी दलाली पर चार चांद लगाने में व्□यस्□त हैं□ अब बहराइच केलोगों की जिम्□मेदारी है कि मुझे ऐसे पत्रकारों की करतूतों का खुलासा और तथ्□य मुझ तकभिजवा दें□

बाढ़ में फंसे युवकों को बचाने में जुटा डीएम, खर्राटे भरते रहे हरामखोर पत्रकार

Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 15 August 2017 01:26

3 / 3